

वशिव रेंजर दविस 2024

स्रोत: इंटरनेशनल रेंजर फेडरेशन

प्रत्येक वर्ष 31 जुलाई को मनाया जाने वाला वशिव रेंजर दविस, प्राकृतिक और सांस्कृतिक संपदा की रक्षा करने वाले रेंजरों के लिये समर्पित है। यह दिन ड्यूटी के दौरान घायल हुए या वीरगति को प्राप्त हुए लोगों का स्मरण कराता है और संरक्षण प्रयासों में रेंजरों की महत्त्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करता है।

- वशिव रेंजर दविस- 2024 की थीम: '30x30' जैव-विविधता पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (COP15)- 2022 के साथ संरेखित है, जो वर्ष 2030 तक पृथ्वी पर कम से कम 30% भूमि और समुद्री क्षेत्रों को संरक्षित करने का लक्ष्य निर्धारित करता है।
- संरक्षण लक्ष्यों को प्राप्त करने, सुरक्षा, निगरानी, कानून प्रवर्तन और सामुदायिक समर्थन जैसे कार्यों को संभालने में रेंजर की भूमिका महत्त्वपूर्ण है।
 - '30x30' लक्ष्य को पूरा करने के लिये रेंजरों को पर्याप्त संसाधन और प्रशिक्षण की आवश्यकता है।
- पहला वशिव रेंजर दविस वर्ष 2007 में अंतरराष्ट्रीय रेंजर फेडरेशन (IRF) की स्थापना की 15वीं वर्षगांठ पर मनाया गया था। इसका गठन 31 जुलाई 1992 को हुआ था और वशिव रेंजर दविस प्रत्येक वर्ष 31 जुलाई को मनाया जाता है।
- भारत में रेंजर, जिन्हें वन रक्षक या ग्रीन सोलजर के रूप में भी जाना जाता है, भारत के किसी राज्य या केंद्र शासित प्रदेश के भीतर वन रेंज के वन, पर्यावरण और वन्यजीव-संबंधी मुद्दों के लिये ज़िम्मेदार हैं।

और पढ़ें: [भारत के वन सीमांत क्षेत्र की सुरक्षा](#)